सफलता की कहानी

किसान का नाम – जहरलाल मंडल
गाँव – बालिजुड़ी
प्रखण्ड – गुड़ाबांधा
जिला – पूर्वी सिंहभूम

जहरलाल मंडल कृषक परिवार से संबंध रखते है। तीन भाईयों में सबसे छोटे है। इंटर तक पढ़ाई पुरी करके रोजगार की तलाश में जमशेदपुर शहर में इधर–उधर भटकते रहे, कहीं संतोषजनक रोजगार का साधन नहीं मिला। इस दौरान इन्होंने शादी की ली। परिवार चलाने के लिए बालीजुड़ी नदी घाट में बालू उठाने का काम करने लगे। तीन बच्चे के पिता जहरलाल मंडल परिवार छोड़कर रोजगार के लिए बाहर राज्य में चला गया। वहीं से रूपये भेजता एव ंसाल में दो–तीन बार ही गाँव आ पाता था।

दो साल बाहर कमाने के बाद अपने घर लौट आया। अपने हिस्सा का खेत में ही धान की खेती करना शुरू किया। सिर्फ धान की खेती से उनके परिवार के आवश्यकता का पुर्ति करना उनके लिए कठिन हो रहा था।

कृषि से कमाने का अन्य स्त्रोत की जानकारी के लिए अपने पंचायत के किसान से मिला। उनके माध्यम से प्रखण्ड के आत्मा कर्मी से संपर्क किया एवं सरकार के द्वार दी जाने वाली कृषि संबंधी लाभ के बारे में जानकारी प्राप्त किया। आत्मा कर्मी ने उन्हें रबी मौसम में सब्जी एवं दलहन–तेलहन की खेती करने का सुझाव दिया। कृषि विभागीय आत्मा संस्थान से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना के तहत उन्हें सरसों का बीज एवं दवाई खेती के लिए दिया गया। आत्मा कर्मी ने जहरलाल मंडल को आत्मा द्वारा होने वाले जिला एवं राज्य स्तरीय प्रशिक्षण आदि में भाग लेने का सुझाव दिया जिससे वह कृषि कार्य को बेहतरीन ढंग से कर सकेंगे।

जहरलाल मंडल ने लगभग 01 एकड़ जमीन में सरसों लगाया । सरसों का खेती अच्छा हुआ । सरसों का साग बेचकर 15,000/– रूपये मुनाफा कमाया जिससे वह बहुत खुश है। सरसों का उपज से और आगे भी मुनाफा कमायेंगे। अभी जहरलाल मंडल सब्जी की खेती करने का तैयारी कर रहा है।

जहरलाल मंडल को उम्मीद है धान की खेती के साथ–साथ सब्जी एवं दलहन–तेलहन की खेती से उनका परिवारिक आर्थिक स्थिति सुधरेगा। बच्चों का पढ़ा–लिखाई भी अच्छे से होगा।

जहरलाल मंडल की सरसों की खेती